Daily Gospel Reflections in Hindi

27 June 2019

लूकस 8:4-15

THE WORD WHICH IS SOWN

आज के सुसमाचार में येसु बोने वाला का दृष्टान्त सुनाते है। येसु नगर–नगर घूम कर ईश्वर के राज्य का सुसमाचार सुना रहे थे। तब एक विशाल जन समूह येसु के पास इकट्ठे हो गया और येसु ने यह बोने वाले का दृष्टान्त सुनाया। कोई बीज बोने वाला बीज बोता है। वह बीज अलग–अलग जगह पर गिरता है। कुछ बीज पथरीली भूमि पर, कुछ रास्ते के किनारे, कुछ कांटों में और कुछ बीज अच्छी भूमि पर गिरता है। जो अच्छी भूमि पर गिरा सिर्फ वही गीज सौ गुना फल लाया।

सभी भूमि पर एक ही बीज बोया गया लेकिन सिर्फ एक भूमि फसल लायी। इसका मतलब है कि यह बीज की कमजोरी नहीं बल्कि भूमि की है। बीज ईश्वर का वचन है और भूमि अपना हृदय है। सभी लोग वचन सुनते है लेकिन एक जैसे वचन को स्वीकार नहीं करते। कुछ हृदय वचन स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं होते, वे है रास्ते के किनारे। कुछ लोग वचन स्वीकार करते है लेकिन वचन के लिए अत्याचार झेल नहीं पाते है वे पथरीली भूमि हैं। कुछ लोग वचन स्वीकार करते है और उसके अनुसार जीने के लिए कोशिश करते है परंतु सफल नहीं होते, प्रलोभनों में गिर जाते है। कुछ लोग वचन के लिए जीते। उनका जीवन वचन के लिए समर्पित है, और दिल में वचन सौ गुना फल लाते है।

Rev. Fr. Ebin Uppukandathil

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019